

Signature and Name of Invigilator

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

1. (Signature) _____
(Name) _____

2. (Signature) _____
(Name) _____

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D-2508

**PAPER – III
SANSKRIT**

[Maximum Marks : 200

Time : 2½ hours]

Number of Pages in this Booklet : 40

Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.
No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।
इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. केवल नीले / काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें।
9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।
10. गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

SANSKRIT

संस्कृत

PAPER – III

प्रश्नपत्रम् - III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. All questions should be attempted in Sanskrit language.

सूचना: - अस्य प्रश्नपत्रस्य द्विशतम् (200) अङ्काः सन्ति प्रश्नपत्रमिदं चतुर्षु खण्डेषु विभक्तमस्ति। सर्वेषां प्रश्नानां-मुत्तरं संस्कृतभाषायामेव देयम्। परीक्षार्थिभिः पृथङ्निर्दिष्ट-विशेषसूचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्नाः समाधेयाः।

खण्ड: – I

सूचना: - अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यभागमाश्रित्य पञ्च (5) प्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः त्रिंशत् (30) शब्दात्मकं उत्तरं देयम्। एकैकस्य प्रश्नस्य कृते पञ्च (5) अङ्काः सन्ति।

(5X5 =25 अङ्काः)

पुरा दैत्यौ सहोदरौ सुन्दोपसुन्दनामानौ महता कायक्लेशेन त्रैलोक्यराज्यकामनया चिरात् चन्द्रशेखरमाराधितवन्तौ। ततः तयोः भगवान् परितुष्टः वरं वरयतामिति उवाच। अनन्तरं तयोः समधिष्ठितया सरस्वत्या तौ अन्यद्वक्तुकामौ अन्यदभिहितवन्तौ 'यदि आवयोः भगवान् परितुष्टः तदा स्वप्रियां पार्वतीं परमेश्वरीं ददातु'। अथ भगवता कुद्धेन वरदानस्यावश्यकतया विचारमूढयोः पार्वती प्रदत्ता। ततः तस्या रूपलावण्यलुब्धाभ्यां जगद्धातिभ्यां मनसोत्सुकाभ्यां पापतिमिराभ्यां ममेति अन्योन्यकलहाभ्यां प्रमाणपुरुषः कश्चित् पृच्छयतामिति मतौ कृतायां स एव भट्टारको वृद्धद्विजरूपः समागत्य तत्रोपस्थितः। अनन्तरं 'आवाभ्यामियं स्वबललब्धा कस्येयं आवयोः भवति' इति ब्राह्मणमपृच्छताम्। ब्राह्मणो ब्रूते -

'ज्ञानश्रेष्ठो द्विजः पूज्यः क्षत्रियो बलवानपि।

धनधान्यादिको वैश्यः शूद्रस्तु द्विजसेवया ॥

तद्युवां क्षत्रधर्मानुगौ। युद्ध एव युवयोः नियमः' इत्यभिहिते सति साधूक्तमनेन इति कृत्वा अन्योन्यतुल्यवीर्यौ समकालं अन्योन्यघातेन विनाशमुपागतौ।

1. सुन्दोपसुन्दौ चन्द्रशेखरं किमर्थमाराधितवन्तौ ?

खण्ड: – II

सूचना: - अस्मिन् खण्डे पञ्चाङ्कपरिमिताः पञ्चदशप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः
त्रिंशत् (30) शब्दात्मकम् उत्तरं देयम्।

(5X15 = 75 अङ्काः)

6. दर्शयागस्य संक्षिप्तः परिचयः स्वकीयया गिरा प्रदेयः।

7. वेदे मुख्यस्य स्वरत्रयस्य लक्षणं सोदाहरणं विवेचयत ।

8. वेदाङ्गेषु शिक्षायाः स्थानं स्पष्टयत ।

9. निर्दिष्टानामुपसर्गानामर्थं लिखत -

- (i) प्र (ii) प्रति (iii) अति
(iv) सम् (v) परि

10. शब्दस्य ज्ञाने धर्मः ? उत प्रयोगे इति स्पष्टयत ।

11. ग्रिम्नियमं सोदाहरणं विवृणुत ।

12. पुरुषवहुत्वं साधयत ।

19. दशरूपकमनुसृत्य सन्धिभेदान् विशदयत ।

20. अभावभेदान् सोदाहरणम् आलोचयत ।

खण्ड: – III

सूचना: - अस्मिन् खण्डे एकैकस्मिन् ऐच्छिकविषये पञ्च पञ्च प्रश्नाः सन्ति। एकम् ऐच्छिकविषयं चित्वा परीक्षार्थिना तस्य पञ्च प्रश्नाः समाधेयाः। एकैकस्य प्रश्नस्य द्वादश (12) अङ्काः सन्ति, उत्तरं तावत् प्रायशः द्विशत (200) शब्दात्मकं लेखनीयम्।

(12x5=60 अङ्काः)

ऐच्छिक: – I

21. पर्यावरणमधिकृत्य पर्जन्यसूक्तस्य समीक्षा करणीया।
22. अथर्ववेदोक्तं कालसूक्तमुपजीष्य कालस्य महत्वं समुपवर्णयत।
23. अग्निहोत्रस्वरूपं यथाब्राह्मणं निरूप्यताम्।
24. ऋक्प्रातिशाख्यमनुसृत्य सन्ध्यक्षर-रक्त-संयोग-रिफित-संज्ञानां लक्षणं सोदाहरणं प्रतिपादयत।
25. देवतास्वरूपविषये नैरुक्तमतं निपुणं निरूपयत।

ऐच्छिक: – II

21. ससूत्रं समासप्रक्रियां लिखत -
 - (1) अतिहिमम्
 - (2) हरित्रातः
 - (3) सपुत्रः
 - (4) हरिहरौ
22. ससूत्रं परस्मैपदं साधयत -
 - (1) अत्ति
 - (2) अभिक्षिपति
 - (3) बोधयति
 - (4) विरमति

23. ससूत्रम् आत्मनेपदं साधयत -

- (1) आस्ते
- (2) पराजयते
- (3) उत्तपते
- (4) शिक्षते

24. सोदाहरणं सूत्रार्थं निर्दिशत -

- (1) गोस्त्रियोरुपसर्जनस्य
- (2) अनेकमन्यपदार्थे
- (3) तस्मान्नुडचि
- (4) अनश्च

25. अनादिनिधनं ब्रह्म शब्दतत्त्वं यदक्षरम्।

विवर्ततेऽर्थभावेन प्रक्रिया जगतो यतः ॥

- व्याख्यात।

ऐच्छिकः - III

21. का शाब्दीभावना? आलोचयत।

22. प्रकृतेः स्वरूपं विचारयत।

23. मुक्तावलि-रीत्या व्यासेः प्रथम-लक्षणं विचारयत।

24. स्याद्वाद-भङ्गान् विशदयत।

25. शङ्कराचार्यैः स्वीकृतस्य 'अथ' इति शब्दार्थस्य स्पष्टीकरणं कुरुत।

ऐच्छिक: – IV

21. राजशेखरोक्तदिशा द्विविधं शिष्यं, तल्लक्षणानि च स्पष्टयत।
22. कुन्तकप्रोक्तान् सुकुमारमार्गस्य गुणान् विशदयत।
23. 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' – सावतरणं व्याख्यात।
24. 'सोऽयमिषोरिव दीर्घदीर्घतरो व्यापारः' –
मम्मटोक्तदिशा व्याख्यात।
25. पण्डितराजोक्तदिशा उत्तमोत्तमकाव्यस्य लक्षणमुदाहरणं च लिखत।

ऐच्छिक: – V

21. अशोकस्य प्रधानशिलालेखासु (Major Rock Edicts) प्रतिपादितानां अंशानां वैशिष्ट्यं प्रस्तावयत।
 22. खारवेलस्य हथिगुम्फाभिलेखनस्य सारांशं विशदयत।
 23. समुद्रगुप्तस्य अलहाबादस्तम्बाभिलेखनस्य ऐतिहासिक महत्त्वं प्रस्तावयत।
 24. द्वितीयपुलकेशिकालीन अयिहोले शिलाभिलेखनस्य महत्त्वं वर्णयत।
 25. यशोधर्म-विष्णुवर्धनस्य मन्दसारं शिलाभिलेखनस्य विषयसारांशं निरूपयत।
-
-
-
-
-
-

Lined writing area consisting of 28 horizontal lines.

खण्ड: – IV

सूचना: - अस्मिन् खण्डे चत्वारिंशत् (40) अङ्कपरिमितः निबन्धात्मकप्रश्नः अस्ति।
अधोनिर्दिष्टविषयेषु एकमाश्रित्य प्रायशः (1000) सहस्रशब्दपरिमितम् उत्तरं प्रदेयम्।

(40X1= 40 अङ्काः)

26. ऐच्छिकः - I

साम्प्रतिके सन्दर्भे वैदिकशिक्षाया उपयोगं महत्त्वञ्च पर्यालोचयत।

अथवा

वैदिकवाङ्मये मानवाधिकार विषयिणीं भावनां विशदीकुरुत।

ऐच्छिकः - II

‘अव्ययं विभक्तिसमीप’ – सम्पूर्णं सूत्रं तदर्थञ्च विलिख्य विग्रहवाक्यप्रदर्शनपूर्वकं सर्वेषामुदाहरणानि स्पष्टयत।

अथवा

व्याकरणस्य दर्शनत्वप्रतिपादने भर्तृहरेः अनुदानं स्पष्टयत।

ऐच्छिकः - III

योगस्य लक्षणं किम्?

योगाङ्गान् विशदयत।

अथवा

किमपि दर्शनमाधारीकृत्य प्रमाण-लक्षणम् आलोचयत।

ऐच्छिकः - IV

काव्यमीमांसामाश्रित्य व्युत्पत्तेः स्वरूपं निरूप्य, कविभेदान् सोदाहरणं लिखत।

अथवा

रसाभिव्यक्तौ भट्टलोल्लटश्रीशङ्कयोः मतमुपन्यस्य तद्रीत्या विभावानुभावेति रससूत्रं व्याख्यात।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words)

(in figures)

Signature & Name of the Coordinator

(Evaluation) Date